खबर संक्षेप

दिव्यांग बच्चों की पहचान, स्क्रीनिंग एवं प्रमाणन हेतु आयोजित होंगे विशेष कैंप

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारियो को पत्र जारी किया है कि जिले में दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिनमे ऐसे दिव्यांग बच्चे जिनकी आयु 0 से 18 वर्ष है उनके आकलन पश्चात जिले के विभिन्न विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाये जाएंगे। जारी पत्र के अनुसार 29 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुर सोहागपुर, 30 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहपारू, 1 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार, 2 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर, 3 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर एवं 4 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी को विशेष कैंप आयोजित किये जाएंगे।

बुढ़ार में गूंजा हिंदू सुरक्षा और सम्मान का नारा

बुढ़ार। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के अष्टम स्थापना दिवस के मौके पर बुढ़ार नगर पूरी तरह भगवामय नजर आया। इस खास अवसर पर संगठन के कार्यकर्ताओं ने बुढ़ार रेलवे स्टेशन सहित नगर के विभिन्न प्रमुख और व्यस्ततम चौराहों पर सघन प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रसाद वितरण के साथ ही परिषद के जांबाज कार्यकर्ताओं ने आमजन के बीच पहुंचकर संगठन के मूल मंत्र—सेवा, सुरक्षा एवं संस्कार के संकल्प को दोहराया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के महाकौशल प्रांताधिकारी मेहुल श्रीवास्तव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष विक्की पटेल, जिला महामंत्री आशीष साहू, जिला महामंत्री शिवम तिवारी और जिला संरक्षक सदस्य उत्कर्ष समेत भारी संख्या में युवाओं की टोली मौजूद रही। मंच से हुंकार भरते हुए वक्ताओं ने संगठन के फायरब्रांड संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगडिय़ा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने दो टूक कहा कि हिंदू समाज की सुरक्षा, समृद्धि और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं होगा और इसके लिए संगठन हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है। कार्यक्रम का समापन हिंदू सुरक्षा, हिंदू समृद्धि, हिंदू सम्मान - यही हमारी पहचान और भारत माता की जय के गगनभेदी नारों के साथ हुआ, जिससे पूरा परिसर गूंज उठा।

बारिश में बस्तियां डूबीं या फैली संक्रामक बीमारी, तो नपेंगे जिम्मेदार अधिकारी

शहडोल में दिशा की बैठक या सुस्त अफसरों की क्लास?

सांसद हिमाद्री सिंह ने दिखाया रौद्र रूप

शहडोल। जिला मुख्यालय के कलेक्टर कार्यालय स्थित विराट सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक इस बार केवल औपचारिक चाय-नाश्ते और कागजी आंकड़ों की बाजीगरी तक सीमित नहीं रही। सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को कछुआ गति से चलाने वाले सुस्त अफसरों को तीखे तेवरों का सामना करना पड़ा। सांसद ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि सरकारी बजट को ठिकाने लगाने और निर्माण कार्यों में लेत-लतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि जनता के हक के पैसों का मखौल उड़ाने वाले अधिकारी अपनी कार्यप्रणाली सुधार लें, वरना उन पर सीधी और कठोर दंडात्मक कार्रवाई तय है।

खोदी गई सडक़ों पर भडक़ीं सांसद

बैठक में सबसे ज्यादा गाज जल जीवन मिशन (नल-जल योजना) के ठेकेदारों और जिम्मेदार इंजीनियरों पर गिरी। पूरे जिले को खोदकर लावारिस छोड़ देने की शिकायतों पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए सांसद हिमाद्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने के नाम पर सडक़ों का सीना चीरा गया है, वहां शीघ्रता से सडक़ मरम्मत का काम पूर्ण किया जाए। आधी-अधूरी और ठप पड़ी नल-जल योजनाओं के व्यवस्थित संचालन को लेकर उन्होंने पीएचई विभाग को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जनता को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाने और सडक़ों को गड्ढों में तब्दील करने का यह खेल अब और नहीं चलेगा।

अस्पतालों में डॉक्टर तैनात करो

मानसून की दस्तक के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों की आहट पर सांसद ने स्वास्थ्य विभाग के ढर्रे पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सीएमएचओ को कड़े लहजे में हिदायत दी कि वर्षा काल के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और जीवन रक्षक दवाओं की चौबीस घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सांसद ने विशेष रूप से जैतपुर, झींकबिजुरी और केशवाही में नवपदस्थ चिकित्सकों की तत्काल पदस्थापना करने के आदेश जारी किए, ताकि दूरदराज के आदिवासियों और ग्रामीणों को इलाज के लिए जिला अस्पताल न भटकना पड़े।

हटाओ अतिक्रमण, नहीं तो बस्तियों में भरेगा पानी

नगरीय निकायों की सुस्त कार्यप्रणाली को लेकर भी बैठक में तीखी बहस हुई। सांसद ने वर्षा काल को देखते हुए सभी निकायों के अध्यक्षों और सीएमओ को निर्देश दिए कि बस्तियों में जलभराव रोकने के लिए नालों की युद्धस्तर पर सफाई कराई जाए। नदी और नालों पर रसूखदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को तुरंत जमींदोज करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि यदि लापरवाही के कारण किसी गरीब की झोपड़ी या बस्ती में पानी भरा, तो संबंधित अधिकारी की खैर नहीं होगी।

वाश ऑन व्हील की थपथपाई पीठ

एक ओर जहां सांसद का रुख लापरवाह अफसरों के प्रति बेहद आक्रामक रहा, वहीं दूसरी ओर उन्होंने वाश ऑन व्हील कार्यक्रम की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के इनोवेटिव कार्यक्रमों से जहां स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत स्वच्छता को भी नई मजबूती मिलेगी। बैठक में मौजूद क्षेत्रीय विधायकों जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह और ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने भी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यों में हो रही धांधली, लेत-लतीफी और गुणवत्ताहीन कार्यों का पुलिंदा खोलकर रख दिया। विधायकों के तीखे सवालों के सामने कई विभागीय अधिकारी बगले झांकते नजर आए।

कागजी घोड़े दौड़ाना बंद करें अफसर, जमीन पर दिखाएं काम
विराट सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा के बहाने लापरवाह सिस्टम की खुली पोल

कलेक्टर ने दी प्रगति रिपोर्ट

सभागार में मचे इस प्रशासनिक हडक़ंप के बीच कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शासन की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी), प्रधानमंत्री जनधन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति अभियान, आजीविका परियोजना, खनिज प्रतिष्ठान मद, महिला एवं बाल विकास, तथा प्रधानमंत्री सडक़ योजना की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और सांसद को आश्वस्त किया कि उनके निर्देशों का अक्षरशः पालन कराया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, एम.पी. सिंह सहित जिले के सभी जनपद अध्यक्ष, नगर पालिका व नगर परिषदों के अध्यक्ष और दिशा समिति के सम्मानित सदस्य मौजूद रहे। अब देखना यह है कि सांसद की इस कडक़ घुडक़ी के बाद शहडोल का सुस्त प्रशासनिक अमला जमीन पर कितनी फुर्ती दिखाता है, या फिर हमेशा की तरह ये निर्देश भी फाइलों में ही दफन होकर रह जाएंगे।

28 जून से शुरू होगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान

जिले के 139742 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश मिश्रा ने बताया कि जिले में आगामी 28 जून से 30 जून 2026 तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस तीन दिवसीय अभियान के तहत अनूपपुर जिले में 0 से 5 वर्ष की आयु वर्ग के कुल 1 लाख 39 हजार 742 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का शत-प्रतिशत लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के प्रथम दिन यानी 28 जून को सभी निर्धारित बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी, जिसके बाद अगले दो दिनों तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर दस्तक देकर छूटे हुए बच्चों को कवर करेंगी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) ने सभी विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि समय रहते सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा चक्र से जिले का एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिला अस्पताल, सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनबाडिय़ों में विशेष बूथ बनाए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जिले के सभी नागरिकों, अभिभावकों और सामाजिक संस्थाओं से अपील की गई है कि वे इस राष्ट्रीय दायित्व में अपना सहयोग दें। 28 जून को अपने घर और आस-पड़ोस के 05 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर दवा अवश्य पिलवाएं, ताकि जिले को पूरी तरह सुरक्षित और पोलियो मुक्त बनाए रखा जा सके।

नशा नाश का कारण बनता है, नशा एक मानसिक बीमारी है

नशा मुक्ति अभियान के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण सम्पन्न

शहडोल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान भोपाल द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट के विराट सभागार में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त विकास आयुक्त एम.पी.सिह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढाना तथा विभिन्न स्तरों पर ज न जा ग रू क ता गतिविधियों के प्रभावी संचालन हेतु मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित करना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाल्मी भोपाल से आये मास्टर ट्रेनर अतुल कुमार रायजादा ने नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि नशा नाश का कारण बनता है। नशा केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि एक मानसिक बीमारी है। यदि समय रहते उचित

परामर्श, उपचार एवं सहयोग प्रदान किया जाए तो व्यक्ति को नशे की लत से मुक्त कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि नशे की समस्या व्यक्ति, परिवार एवं समाज तीनों को प्रभावित करती है। इसके प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता एवं सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही नशामुक्त समाज की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नशे की पहचान, रोकथाम, परामर्श, पुनर्वास तथा जनजागरूकता गतिविधियों के संचालन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण के माध्यम से जिले में नशा मुक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। कार्यक्रम मां स्कूलो के प्राचार्य, शिक्षक,बाल संरक्षण समिति की अध्यक्ष श्रीमती कल्याणी बाजपेई, जनअभियान परिषद से जुडी नवांकुर समितियो के सदस्य तथा सामाजिक कार्य कर्ताओ ने भाग लिया ।

नवीन शैक्षणिक सत्र की तैयारियों एवं शिक्षा गुणवत्ता संवर्धन को लेकर कोर ग्रुप की बैठक आयोजित

शहडोल। शिक्षा विभाग की कोर ग्रुप की बैठक मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों तथा विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिये की विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनानेए नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावी संचालनए नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा विद्यालयों में अनुकूल शिक्षण वातावरण विकसित किया जाये । उन्होंने कहा कि शालाओं में शिक्षक नियत समय पर उपस्थित होकर अध्यापन सम्पन्न कराये, शिक्षा के साथ ही विद्यार्थियो को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये भी तैयार किया जाये। साथ ही नवीन सत्र के लिए कार्ययोजना तैयार करते हुए विभिन्न गतिविधियों एवं लक्ष्यों का निर्धारण किया गया। उन्होंने सतप्रतिशत विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तको का वितरण करने, कमजोर विद्यार्थियो की पहचान कर उन्हे अलग से कक्षाये आयोजित कर विषयो का अध्ययन कराया जाये। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं सदस्यों ने शिक्षा गुणवत्ता संवर्धन के लिए समन्वित प्रयास करने तथा निर्धारित कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन का संकल्प लिया। इस दौरान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकासए सीखने के परिणामों में सुधार तथा विद्यालयों में शैक्षणिक अनुशासन को सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में बीईओ गोहपारू ललित पाण्डेय, बीईओ बुढ़ार बी.के. निगम विभिन्न विद्यालयो के प्राचार्य उपस्थित रहे।

रफ्तार का कहर: मासूम की सांसों पर संकट

देवदूत ने बचाई सुदूर गांव के लाडले की जान

शहडोल। बेकाबू रफ्तार ने न सिर्फ पांच साल के मासूम को लहूलुहान कर आईसीयू के बिस्तर पर धकेल दिया, बल्कि एक गरीब मां की गोद सूनी करने की भी पूरी साजिश रच दी थी। नानी के आंगन में चहकने आया मासूम जनार्दन आज जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। यह कहानी सिर्फ एक सडक़ हादसे की नहीं है, बल्कि एक लाचार परिवार के आंसुओं, महंगे इलाज की लाचारी और उस इंसानियत की है जिसने इस बुझते चिराग को अपनी रगों का खून देकर फिर से रोशन कर दिया।

नानी के घर आई खुशियां बिखरीं

सीधी जिले के सुदूर ग्रामीण अंचल पहडिय़ा में रहने वाले बुजुर्ग श्यामसुंदर भूर्तिया के घर खुशियों का माहौल था। मुंबई में मजदूरी करने वाले दामाद का 5 वर्षीय बेटा जनार्दन अपनी मां अंजना के साथ नानी के घर छुट्टियां बिताने आया था। मुंबई के स्कूल में पढऩे वाला यह मासूम अपनी तोतली आवाज से पूरे घर में चहक रहा था। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था, चंद दिनों का यह ननिहाल का सफर एक कभी न भूलने वाले खौफनाक मंजर में तब्दील हो गया।

मां का रो-रोकर बुरा हाल

बीती 18 जून की सुबह जब मासूम जनार्दन घर के सामने बेफिक्र होकर खेल रहा था, तभी ब्यौहारी रोड की तरफ से यमदूत बनकर आए एक तेज रफ्तार ट्रक (ग्र 01 रज्ञ 2595) ने उसे बेरहमी से कुचल दिया और चालक वाहन लेकर भाग निकला। चीख-पुकार के बीच जब मां अंजना दौडक़र बाहर आई, तो कलेजे के टुकड़े को खून से लथपथ तड़पता देख उसकी रूह कांप गई। सिर और पैर से बहते खून को देख मां का रो-रोकर बुरा हाल है, उसकी आंखें पथरा गई हैं।

लाचारी और महंगे इलाज का दंश

सुदूर ग्रामीण क्षेत्र का यह बेहद गरीब परिवार अब शहडोल के आदित्य हॉस्पिटल के आईसीयू के बाहर दाने-दाने को मोहताज है। मुंबई में दिन-रात पसीना बहाकर दो वक्त की रोटी कमाने वाले पिता के पास इतने महंगे इलाज के पैसे नहीं हैं। अस्पताल के भारी-भरकम खर्च और आईसीयू के डर ने परिवार को भीतर से तोड़ दिया है। जो मां-बाप कल तक अपने बच्चे के उज्ज्वल भविष्य के सपने देख रहे थे, आज वे अस्पताल के गलियारे में बिलख रहे हैं।

जब देवदूत बनकर आए रक्तदाता

मासूम के शरीर से इतना खून बह चुका था कि डॉक्टरों को लगातार रक्त चढ़ाना पड़ रहा था। बेबस पिता ने खून दिया, फिर मामा ने अपनी रगों का लहू निकाला। जब बात नहीं बनी, तो तंगी से जूझते परिवार ने पाई-पाई जोडक़र ?4500 में महज 150 द्व्य खून खरीदा। इस बीच जब सोशल मीडिया पर मासूम की जिंदगी के लिए र+ ब्लड की मार्मिक गुहार लगी, तो धनपुरी निवासी विष्णुकान्त शुक्ला की इंसानियत जाग उठी। वे जिला अस्पताल पहुंचे और निस्वार्थ भाव से रक्तदान किया, जिससे मासूम को नई जिंदगी मिली।

पुलिस कार्रवाई और कानूनी प्रक्रिया

इस खौफनाक हादसे के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से गुहार लगाई है कि दुर्घटना कारित कर भागने वाले निर्दयी चालक पर कड़ी से कड़ी धाराएं लगाई जाएं ताकि उन्हें न्याय मिल सके। इधर, मामले में पुलिस प्रशासन द्वारा नियमानुसार सामान्य व त्वरित कार्रवाई करते हुए बीती 23 जून को ही न्यायालय में चालान पेश कर दिया गया। हालांकि, कानूनी दांव-पेंच और वर्तमान व्यवस्था के तहत वाहन और चालक दोनों को जमानत मिल गई, जिससे इस लाचार परिवार का दर्द और बढ़ गया है।

जनसुनवाई का ढोंग पहले ही हो चुका है बेनकाब!

प्रलोभनों का जाल, सवालों के घेरे में कंपनी की पारदर्शिता

उमरिया। जिले के घुनघुटी क्षेत्र में कोयला खनन (कोल ब्लॉक) परियोजनाओं को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों पर नजर गड़ाए बैठी निजी कंपनियों और ग्रामीणों के बीच का संघर्ष अब एक नए और बेहद शर्मनाक मोड़ पर पहुंच गया है। हाल ही में हुई विवादित जनसुनवाई के बाद अब बजरंग पावर कंपनी पर ग्रामीणों को प्रलोभन देकर साधने और उनकी आवाज को नोटों के दम पर दबाने का बेहद गंभीर आरोप लगा है। सोमवार देर शाम घुनघुटी के एक स्थानीय ग्रीन ढाबा में कंपनी प्रबंधन और कुछ चुनिंदा ग्रामीणों के बीच हुई गुप्त बैठक और कथित मैनेजमेंट की खबरों ने पूरे क्षेत्र के सियासी और प्रशासनिक गलियारों में भूचाल ला दिया है।

स्थानीय सूत्रों से छनकर आ रही खबरों के मुताबिक, सोमवार की रात घुनघुटी स्थित ग्रीन ढाबा आम ग्राहकों के लिए नहीं, बल्कि एक खास डील के लिए रिजर्व था। आरोप है कि यहाँ बजरंग पावर प्रबंधन के ऊंचे ओहदों पर बैठे कारिंदों ने क्षेत्र के कुछ रसूखदार ग्रामीणों और बिचौलियों के साथ बंद कमरे में मैराथन बैठक की। इस गुप्त मुलाकात का एकमात्र मकसद था कि कंपनी के खिलाफ उठ रही जन-आक्रोश की आवाज को कुचलना। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि इस दौरान कंपनी के पक्ष में माहौल बनाने और विरोध प्रदर्शनों की हवा निकालने के लिए कुछ चुनिंदा लोगों को मोटी आर्थिक सहायता (कैश) और अन्य सुख-सुविधाओं का भारी-भरकम प्रलोभन दिया गया। हालांकि इस आर्थिक लेन-देन की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब बजरंग पावर पर इस तरह के अनैतिक हथकंडे अपनाने के आरोप लगे हों। इसके पहले जिला प्रशासन की मौजूदगी में हुई जनसुनवाई के दौरान भी कंपनी पर आरोप लगे थे कि उसने डरा-धमकाकर, प्रलोभन देकर और बाहरी लोगों को बिठाकर फर्जी तरीके से सहमति हासिल करने का

प्रयास किया था। उस धांधली की गूंज अभी शांत भी नहीं हुई थी कि ग्रीन ढाबा के इस नए घटनाक्रम ने साबित कर दिया है कि कंपनी क्षेत्र में विकास के नाम पर नहीं, बल्कि केवल और केवल साम-दाम-दंड-भेद के दम पर अपना साम्राज्य स्थापित करना चाहती है।

स्थानीय स्तर पर जब इस कथित मैनेजमेंट और गुप्त सौदेबाजी की सच्चाई जानने के लिए बजरंग पावर के जनरल मैनेजर (जीएम) से संपर्क साधने की कोशिश की गई, तो कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी का रवैया बेहद संदिग्ध रहा। मीडिया का फोन देखते ही साहब ने आनन-फानन में कॉल काट दिया और उसके बाद संपर्क से बाहर हो गए। जीएम साहब का इस तरह सवालों से मुंह चुराना और भाग खड़ा होना, कहीं न कहीं इन आरोपों की सत्यता पर खुद ही मुहर लगाता है। अगर दाल में कुछ काला नहीं था, तो कंपनी अपना आधिकारिक पक्ष रखने से कतरा क्यों रही है। घुनघुटी की जागरूक जनता का साफ कहना है कि यदि बजरंग पावर की कोयला परियोजना वास्तव में क्षेत्र के विकास और रोजगार के लिए इतनी ही हितकारी है, तो कंपनी को बंद कमरों और ढाबों में छिपकर मैनेजमेंट करने की जरूरत क्यों पड़ रही है? कंपनी तथ्यों के आधार पर, खुले मंच पर आकर जनता का दिल क्यों नहीं जीतती? इस पूरे घिनौने खेल ने घुनघुटी क्षेत्र को दो धड़ों में बांट दिया है। अब सबसे बड़ा सवाल जिले के मुखिया और प्रशासनिक अमले पर खड़ा होता है कि क्या वे इस ढाबा मैनेजमेंट और जनसुनवाई की निष्पक्षता को तार-तार करने वाले आरोपों की उच्च स्तरीय जांच कराएंगे, या फिर रसूखदार उद्योगपतियों के आगे आंखें मूंदकर बैठे रहेंगे।

खबर संक्षेप

डीपीसी सिम्मी वानखेड़े ने किया डीएमसी कोतमा में पौधारोपण

कोतमा। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अनूपपुर डीपीसी श्रीमती सिम्मी वानखेड़े ने बुधवार 24 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डीएमसी कोतमा में पौधारोपण का कार्य किया। विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगो को प्रकृति, पर्यावरण की सुरक्षा और परिस्थितिकी तंत्र के प्रति जागरूक करना है। जिसका लक्ष्य आम जनता को वनों की कटाई, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याओ के खिलाफ कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। लोगो को ये समझाना की स्वच्छ हवा, पानी, और संतुलित प्रकृति के बिना जीवन संभव नही हैं। इसलिए वनों की कटाई रोके और अधिक से अधिक नये पेड़ लगाए। पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों को बचाना ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और हराभरा भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। जिला क्षय अधिकारी डॉ रॉय द्वारा भी इस नेक कार्य की प्रशंसा की गई। इस दौरान कोतमा टीबी स्टॉफ-शिवकुमार नामदेव, ज्योति गुप्ता, सुशीला सिंह, फूल सिंह, धनंजय नवरंग, मनीष साहू, सोनू कौशिक आदि लोग उपस्थित रहे।

28 जून को पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा

उमरिया। जिले में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 28 जून को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जाएगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. ऋचा गुप्ता ने बताया कि 28 जून को आयोजित मुख्य अभियान दिवस पर जिले के 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई जाएगी। इसके लिए जिलेभर में 840 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी एवं स्वयंसेवक तैनात रहेंगे। इसके अतिरिक्त बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य प्रमुख आवागमन स्थलों पर 48 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं, ताकि यात्रा कर रहे बच्चों को भी पोलियो की खुराक दी जा सके। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विकासखंड में मोबाइल टीमों का गठन किया गया है, जो दूरस्थ क्षेत्रों एवं विशेष परिस्थितियों वाले स्थानों पर पहुंचकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। अभियान के बाद 29 एवं 30 जून को मॉप-अप राउंड आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत मुख्य दिवस पर किसी कारणवश छूट गए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

30 जून तक अनिवार्य रूप से कराएं ई-केवायसी, अन्यथा बंद हो सकता है राशन

उमरिया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत ऐसे हितग्राही सदस्य, जिनकी ई केवायसी पांच वर्ष से अधिक पुरानी हो चुकी है, उनका पुनः बायोमेट्रिक आधार सत्यापन ई केवायसी कराया जाना अनिवार्य किया गया है। शासन के निर्देशानुसार जिले में वर्तमान में लगभग 33,890 सदस्यों की ई केवायसी कराए जाने का कार्य प्रगति पर है, जिसे 30 जून 2026 तक पूर्ण किया जाना आवश्यक है।निर्धारित समय-सीमा तक ई केवायसी नहीं कराने वाले हितग्राहियों का राशन वितरण प्रभावित हो सकता है तथा उनका नाम पात्रता सूची से निष्क्रिय होने की संभावना है। इस संबंध में सभी उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं को उन सदस्यों की सूची पूर्व में ही उपलब्ध करा दी गई है, जिनकी ई केवायसी पांच वर्ष से अधिक पुरानी हो चुकी है। साथ ही उचित मूल्य दुकानों की पीओएस मशीनों में ऐसे सदस्यों के नाम पीले अक्षरों में प्रदर्शित हो रहे हैं, जिससे उनकी पहचान आसानी से की जा सके। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़, मानपुर एवं पाली को निर्देश दिए हैं कि जिले में इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जाए तथा इसकी नियमित निगरानी की जाए। इसके लिए अनुविभाग स्तर पर संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में समिति प्रबंधक, शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तथा सहकारिता निरीक्षक शामिल होंगे और ई केवायसी प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि जिन उचित मूल्य दुकानों के विक्रेता इस महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतेंगे या निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि वे शीघ्र अपनी नजदीकी उचित मूल्य दुकान पर पहुंचकर आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन कराएं।

गरीब की झोपड़ी तोड़ी, रात के अंधेरे में फूंक डाला आशियाना

देवरी में दबंगों का तांडव!

खसरे की जमीन पर विवाद के बाद खूनी रंजिश
कोर्ट में चल रहा मामला, पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर

मानपुर।

थाना अंतर्गत ग्राम देवरी (सेमरा) में दबंगई और कानून को ठेंगा दिखाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक गरीब यादव परिवार के आशियाने पर न सिर्फ दिनदहाड़े कुल्हाड़ी और लाठियां चलीं, बल्कि रात के अंधेरे में उसकी झोपड़ी को आग के हवाले कर दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि उसकी झोपड़ी में आग लगाकर उसे जिंदा मारने या पूरी तरह बर्बाद करने की सोची-समझी साजिश रची गई, जिससे उसका करीब 50,000 रुपये का गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। मामले में स्थानीय मानपुर पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दिनदहाड़े दीवार ढहाई, दी जान से मारने की धमकी

पीड़ित लालजी यादव उम्र 35 वर्ष, पिता रामावतार यादव ग्राम देवरी का पुश्तैनी निवासी है। पीड़ित का परिवार खसरा नंबर 73 की जमीन पर सालों से झोपड़ी बनाकर रह रहा है, जिसका मामला वर्तमान में एसडीएम कोर्ट मानपुर में विचाराधीन है। इसके बावजूद, विपक्षी पुरुषोत्तम के परिवार और उनके सहयोगियों ने कानून को ताक पर रख दिया। 11 जून 2026 की शाम करीब 7 बजे, जब लालजी यादव पास की दुकान पर था, तब भारी संख्या में आए दबंगों—जिनमें बिट्टी बाई, मुन्नी बाई, बिन्नू यादव, लक्ष्मी बाई, अनूप, प्रीतम, उर्मिला, मिस्टर, दादूराम, राजा यादव, बिन्तु बाई, रामप्रसन्न और मोतीलाल शामिल थे, उन्होंने लाठी-डंडों से लैस होकर धावा बोल दिया। इन लोगों ने झोपड़ी को घेरकर उसके चारों ओर की सुरक्षा दीवार (बाड़) को बेरहमी से तोड़ दिया। जब पीड़ित की पत्नी ने विरोध किया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने तत्काल 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई।

क्या कर रही है मानपुर पुलिस?

पीड़ित लालजी यादव ने लगातार दूसरे दिन मानपुर थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई और सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। थाने में शिकायत तो दर्ज कर ली गई है और पावती पर पुलिसिया मुहर भी लग चुकी है, लेकिन धरातल पर दबंगों की गिरफ्तारी न होना पुलिस की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा करता है। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। अब देखना यह है कि मानपुर पुलिस इन बेखौफ अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजती है या पीड़ित परिवार इसी तरह न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर रहेगा।

रात के सन्नाटे में फूंक दी झोपड़ी

पुलिस की ढीली कार्रवाई से बेखौफ आरोपियों का हौसला इस कदर बढ़ गया कि उन्होंने अगली ही रात एक बड़ी वारदात को अंजाम दे डाला। 12 जून 2026 की रात करीब 12 से 1 बजे के बीच, जब पीड़ित लालजी यादव अपने परिवार के साथ जान माल के डर से झोपड़ी के बाहर सो रहा था, तभी अचानक उसकी झोपड़ी से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। आग की तपिश और चीख-पुकार के बीच जब पीड़ित जागा, तो उसने मौके पर गांव के ही यादव और उसके कुछ अन्य साथियों को खड़े देखा। पीड़ित को जागता देख आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले। इस भीषण अग्निकांड में झोपड़ी के ऊपर लगी पन्नी, मलगा (लकड़ी के खंभे) और अंदर रखा अनाज, कपड़ा व अन्य कीमती सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पीड़ित को इस वारदात में सीधे तौर पर 50 हजार से अधिक का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है।

रक्तदान शिविर संपन्न, 89 रक्तदाताओं का पंजीयन

उमरिया। वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस की स्मृति में स्थानीय एमपीईबी हॉस्पिटल परिसर, पाली में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर समिति द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं महिला रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान कर रानी दुर्गावती के अद्वितीय साहस, त्याग एवं बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया।
आयोजित रक्तदान शिविर में जिला रक्त केंद्र उमरिया की टीम द्वारा रक्त संग्रहण किया गया। शिविर का संचालन आरोग्य भारती के संयुक्त संयोजन में संपन्न हुआ, जिसमें सभी रक्तदाताओं एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता सराहनीय रही।
इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. के.सी. सोनी ने रक्तदान शिविर के

सफल आयोजन हेतु बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका आभार व्यक्त किया। वहीं गोंडवाना सेवा समिति, बिरसिंहपुर पाली द्वारा डॉ. के.सी. सोनी, सिविल सर्जन उमरिया तथा श्री वीरेंद्र शर्मा, वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। शिविर में रक्तदान के लिए युवाओं के साथ-साथ महिला रक्तदाताओं का उत्साह विशेष रूप से देखने को मिला। रक्तदान हेतु कुल 89 रक्तदाताओं का पंजीयन किया गया।
डॉ. के.सी. सोनी ने बताया कि शिविर से प्राप्त रक्त का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित रोगियों, थैलेसीमिया मरीजों तथा रक्त की कमी से जूझ रही गर्भवती महिलाओं के उपचार में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन माह में नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए।
रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करता है, बल्कि इससे हृदय रोगों के जोखिम में कमी आती है तथा शरीर में नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया तेज होकर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिलती है। शिविर के सफल आयोजन पर सभी सामाजिक संगठनों, रक्तदाताओं एवं जिला रक्त केंद्र की टीम को बधाई दी गई तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

स्टेडियम में हैंडबॉल मैत्री मैच संपन्न

उमरिया। ओलंपिक दिवस एवं विश्व हैंडबॉल दिवस के अवसर पर जिला हैंडबॉल संघ एवं क्रीड़ा भारती जिला उमरिया द्वारा नगर पालिका स्टेडियम उमरिया में हैंडबॉल मैत्री मैच का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनका खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने भरपूर आनंद लिया।बालक वर्ग में क्रीड़ा भारती उमरिया कि टीम एवं भगत सिंह क्लब कि टीम के मध्य कड़ा मुकाबला हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच में क्रीड़ा भारती उमरिया ने 11 गोल किए, जबकि भगत सिंह क्लब ने 17 गोल दागे। इस प्रकार भगत सिंह क्लब ने 6 गोलों के अंतर से जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम किया। बालिका वर्ग में व्हाइट वॉरियर्स एवं रेड वॉरियर्स के मध्य मैच खेला गया। व्हाइट वॉरियर्स ने 7 गोल किए, जबकि रेड वॉरियर्स ने 4 गोल किए। इस प्रकार व्हाइट वॉरियर्स ने 3 गोलों के अंतर से जीत दर्ज की। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग से जगदीश सिंह मसराम एवं मुकेश कुमार झारिया , तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग से कृष्ण कुमार झारिया'ी, राष्ट्रीय खिलाड़ी शिवम सोंधिया, राष्ट्रीय खिलाड़ी अतुल रजक एवं हॉकी के एनआईएस कोच राहुल बर्मन विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा मैच का भरपूर आनंद लिया। प्रतियोगिता के संचालन में तकनीकी अधिकारियों के रूप में वीरेंद्र बैगा, मनीषा पेंद्रे एवं अंजली विश्वकर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर वरिष्ठ राष्ट्रीय खिलाड़ी आकाश वर्मा, राष्ट्रीय खिलाड़ी अखिलेश पांडे, राष्ट्रीय खिलाड़ी सूरज बर्मन, हैंडबॉल खेल प्रेमी प्रकाश कुशवाहा, वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित सिंह मार्को, राष्ट्रीय खिलाड़ी दुर्गेश साहू एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी अंकित बर्मन राष्ट्रीय खिलाड़ी रवि सिंह, सौरभ सोंधिया, अमरीश पांडे एवं प्रफुल्ल प्रजापति उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हैंडबॉल मैच का भरपूर आनंद लिया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। आयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की गईं। जिला हैंडबॉल संघ एवं क्रीड़ा भारती जिला उमरिया द्वारा आयोजित इस मैत्री मैच का उद्देश्य खिलाड़ियों में खेल भावना, अनुशासन एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है।

लाख की वैज्ञानिक पद्धति से कृषि जागरूकता प्रशिक्षण का किया गया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज कोतमा। लाख की वैज्ञानिक पद्धति से कृषि जागरूकता प्रशिक्षण द्वारा जिला अन्तर्गत प्रशिक्षण का आयोजन रोजगार सृजन कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रोधोगिकी परिषद भोपाल के सहयोग से हार्ड संस्था द्वारा ग्राम गोबरी जनपद पंचायत जैताहरी अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अनिल पटेल कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र पोड़की अमरकंटक रहे जिन्होंने प्रशिक्षण मे किसानों को पोषक वृक्षों का चयन बीहन का संचरण एवं शत्रु-कीट से बचाव के संदर्भ मे विस्त्रत जानकारी प्रदान की संस्था के प्रमुख सुशील शर्मा द्वारा कहा गया की मैपकास्ट के सहयोग से यह प्रशिक्षण किसानों मे लाख खेती के प्रति रुचि जाग्रत कर उन्हे आय बढ़ाने मे सहायक होगा जिलों मे लाख खेती की प्रबल संभवनाए है ग्राम पंचायत सरपंच बाबू लाल द्वारा कहा गया की क्षेत्र मे किसानों को लाख खेती के लिए जागरूक कर उन्हे जोड़ा जाएगा लाख एवं सेमियालता की नर्सरी के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिससे किसानों की आय बढ़ सकेगा प्रशिक्षण मे लगभग 60 महिला एवं पूरुष किसानों ने भाग लिया।

सब्जी मंडी में नहीं लग रही है दुकान, प्रतिदिन लगता है जाम

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर पालिका के द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर नगर के वार्ड क्रमांक 3 में सब्जी मंडी का निर्माण करवाया गया था और यह सोचकर करवाया गया था कि व्यवस्थित सब्जी की दुकान एक जगह लगेगी लेकिन नगर पालिका प्रशासन के उदासीन रवैया के कारण नगर के मुख्य बाजार की सड़कों पर फुटकर सब्जी विक्रेताओं के द्वारा सब्जी की दुकान लगाकर बिक्री कर रहे हैं। जबकि नगर पालिका के द्वारा पूर्व मे नगर के मुख्य सड़कों से सब्जी दुकानें हटवाते हुए दुकानदारों को व्यवस्थित सब्जी मंडी में दुकान लगवाएं जाने के निर्देश देने के साथ ही अंडर ब्रिज एवं अटल चौपाटी के पास दुकाने लगवाई गई थी। नगर पालिका का अमला सक्रिय जरूर हुआ और 2 से 3 दिनों तक पुराना फाटक रोड में दुकान लगवाई गई लेकिन वर्तमान में फिर से फुटकर सब्जी दुकानदारों के द्वारा नगर के आजाद चौक, गांधी चौक, चंदेरिया आभूषण के पास तिराहे में पुराना फाटक रोड में सब्जी दुकानदारों के द्वारा दुकान लगाई जा रही है। सड़कों पर सब्जी दुकान लगाये जाने के कारण आवागमन बाधित होता है। सड़कों पर दो पहिया वाहन खड़ी कर दी जाती है जिसके कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। गांधी चौक के बीचो-बीच सब्जी दुकान लगाये जाने के कारण 20 फीट की सड़क 5 फीट में तब्दील हो जाती है जिसके कारण आम नागरिकों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व मे मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल से भी नगर पालिका सभाकक्ष में लोगों ने सड़कों पर सब्जी दुकान लगाए जाने को लेकर शिकायत की थी और उनके द्वारा नगर पालिका प्रशासन को निर्देश दिए गए थे कि सब्जी मंडी में ही दुकान लगवाएं जाने की व्यवस्था नगर पालिका प्रशासन के द्वारा करवाई जाए। बावजूद इसके ठीक विपरीत सड़कों पर ही सब्जी दुकान लगाई जा रही है लेकिन नगर पालिका के द्वारा ठोस कार्यवाही नहीं किये जाने के कारण फुटकर सब्जी दुकानदारों के हौसले बुलंद है। सब्जी मंडी के अंदर जो दुकानदार दुकान लगा रहे हैं उनमें भी गुस्सा देखा जा रहा है। दुकानदारों का कहना है कि सुबह से लेकर शाम तक हम लोग खाली बैठे रहते हैं बाजार में सब्जी लोगों को मिल जाती है इसलिए वह लोग सब्जी मंडी में सब्जी लेने नहीं आते हैं। यदि नगर पालिका प्रशासन के द्वारा सारी दुकान सब्जी मंडी में नहीं लगवाई गई तो वह दुकानदार भी सड़कों पर दुकान लगाना शुरू कर देंगे।

नागपुर जाने के लिए सीधी सुविधा की प्रतीक्षा कब तक

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

कोतमा बिजुरी सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही अंबिकापुर, अनूपपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस पकड़ने के लिए पूरी रात यात्रा करनी पड़ती है। जिसके कारण लोगों को शारीरिक परेशानी के साथ ही आर्थिक रूप से परेशान होना पड़ता है। बता दें कि काफी समय से क्षेत्र के लोगों के द्वारा सांसद हिमाद्री सिंह एवं रेल मंत्री से नागपुर तक सीधी ट्रेन शुरू किये जाने की मांग की जा रही है यहां के लोगों को आये दिन इलाज करवाने जाने के लिए नागपुर जाना पड़ता है। रेल प्रबंधन के द्वारा शहडोल से नागपुर तक सीधी ट्रेन चलाई जा रही है अगर इस ट्रेन का विस्तार अनूपपुर या अंबिकापुर तक कर दिया जाये तो यह हजारों लोगों के लिए बड़ी राहत होगी। यह मांग जनप्रतिनिधि और सांसद पहले उठा चुके हैं। लेकिन रेलवे को आम जनता की परेशानी का ध्यान ही नही है। लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के द्वारा शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस के विस्तार की मांग किया जा रहा है। अब हर जुबान पर एक ही चर्चा हो रही है कि नागपुर जाने के लिए आखिर कब तक सीधी ट्रेन की सुविधा मिलेगी। आज भी अंबिकापुर, कोतमा, बिजुरी, अनूपपुर और आसपास के हजारों गांवों के लोगों को शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस पकड़ने के लिए पूरी रात खराब कर शहडोल पहुंचना पड़ता है। कई यात्री रात में ही घर से निकल जाते हैं ताकि सुबह 5 बजे की ट्रेन पकड़ सकें। अगर इस ट्रेन का अनूपपुर या अंबिकापुर तक विस्तार कर दिया जाए, तो हजारों गांवों और लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही कोतमा क्षेत्र पावर सेक्टर के साथ ही नये कोयला खदानों का हब बनने जा रहा लेकिन नागपुर मुंबई प्रयागराज कोलकाता जाने के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा नही होने के कारण व्यापार में भी कमी आयेगी और लोग यहां आने से बचेंगे रेलवे के लिए यह छोटा सा विस्तार होगा, लेकिन जनता के लिए बड़ी राहत साबित होगा। नागरिकों ने मांग करते हुए कहा कि रेलवे आम जनता की परेशानी को समझे और इस पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय लेते हुए नागपुर के साथ ही अन्य बडे महानगरों तक जाने के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा उपलब्ध करवायें।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के द्वारा मनाया गया विरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के द्वारा विरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस बुधवार को मनाया गया। ग्राम बैहा टोला, कोरजा, मनमारी मे विरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर फूल माला से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन पर आधारित विचार व्यक्त किया गया। अखिल गोंडवाना महासभा के जिला अध्यक्ष बीरान सिंह आर्मो, दुर्गा सिंह कोर्राम, देवशरण सिंह, चंद्रिका मरकाम, देवनाथ सिंह, जनपद सदस्य लखन सिंह, सूरज, कृष्णपाल सिंह, पंकज सिंह, प्रदीप सिंह, सूर्या सिंह, कंचन सिंह सहित गोंडवाना समाज के लोग उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

पुलिस ने रेत परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, चालक और वाहन स्वामी पर मामला दर्ज

बुढार। जिले में अवैध उत्खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत केशवाही थाना पुलिस ने एक प्रभावी कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध रेत परिवहन में संलिप्त एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर आरोपी चालक सहित वाहन स्वामी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी

जानकारी के अनुसार, दिनांक 23 जून 2026 को रात्रि गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बिना रजिस्ट्रेशन नंबर का एक ट्रैक्टर अवैध रेत लोड कर ग्राम हर्री की ओर से केशवाही की तरफ जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने केशवाही स्थित मस्जिद चौराहा के पास घेराबंदी की और उक्त ट्रैक्टर को रोककर जांच की।

जांच में खुली पोल, नदी से चुराई जा रही थी रेत

जांच के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भारी मात्रा में अवैध रेत लोड पाई गई। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम सुरेश सिंह पाव (पिता कमोल सिंह पाव, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम सकरा, चौकी केशवाही) बताया।चालक ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह वाहन स्वामी वीरेंद्र प्रताप सिंह (पिता केशरी सिंह, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम केशवाही) के कहने पर हर्री नदी से रेत लोड कर बिक्री के लिए केशवाही ला रहा था।

BNS और खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज

रेत के परिवहन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज न होने पर पुलिस ने अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को विधिवत जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी चालक और वाहन स्वामी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) तथा खनिज अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत अपराध पंजीकृत कर मामले को विवेचना में ले लिया है। उक्त कार्यवाही में नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के निर्देशन में उपनिरीक्षक गंगा सिंह मार्को एवं आरक्षक गणेश सिंह द्वारा की गई, जिसमें उनकी सराहनीय भूमिका रही।

हमारे शिक्षक ऐप से 1 जुलाई से अनिवार्य होगी ऑनलाइन उपस्थिति

कटनी। स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े सभी शासकीय कर्मचारियों को "हमारे शिक्षक" प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह व्यवस्था 1 जुलाई 2026 से लागू होगी। मप्र के लोक शिक्षण संचालनालय जारी आदेश के अनुसार इसके तहत स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों एवं प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत शासकीय अमले को नियमित रूप से डिजिटल माध्यम से उपस्थिति दर्ज करनी होगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि "हमारे शिक्षक" प्रणाली के क्रियान्वयन से संबंधित निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के सभी कार्यालयों एवं प्रशिक्षण संस्थानों के समस्त शासकीय लोकसेवकों पर लागू होंगे।

हर्रा दफाई की गली में गंदगी का अंबार, बजबजाती नालियां बनीं परेशानी का कारण, टूटे चेंबरों से हादसे का खतरा

नगर पालिका उपाध्यक्ष के वार्ड में बदहाली की तस्वीर, वर्षों से नहीं हुई नालियों की सफाई

धनपुरी। नगर पालिका धनपुरी के उपाध्यक्ष के वार्ड क्रमांक 17/15 में सफाई व्यवस्था की बदहाली ने नगर पालिका के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चित्र टेंट हाउस के बगल से हर्रा दफाई जाने वाली गली में गंदगी, बजबजाती नालियां, टूटे चेंबर और जर्जर सड़क से स्थानीय रहवासी परेशान हैं। बरसात के मौसम में समस्या और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है।

वार्डवासियों का कहना है कि वर्षों से नालियों की समुचित सफाई नहीं हुई है। नालियों को ऊपर से ढक दिया गया है, लेकिन उनके अंदर जमा गाद और कचरा नहीं निकाला गया, जिससे जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हो गई है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं और दुर्गंध के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है।

वार्डवासियों ने बयां किया दर्द

वार्ड निवासी सूजीत, बब्लू, नवीन, हंसमुख और चंदन ने बताया कि गली में सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नहीं आते। कई-कई सप्ताह तक नालियों और सड़कों की सफाई नहीं होती। बरसात के दौरान नालियां उफान पर आ जाती हैं और गंदा पानी सड़क पर बहने लगता है। उन्होंने कहा कि कई बार नगर पालिका को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

वार्डवासियों के अनुसार गली में कई स्थानों पर चेंबर टूटे हुए हैं, जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है।

उपाध्यक्ष के वार्ड की स्थिति पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह वार्ड नगर पालिका उपाध्यक्ष का वार्ड है। ऐसे में लोगों को उम्मीद थी कि यहां सफाई और विकास कार्य बेहतर होंगे, लेकिन स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। वार्डवासियों का कहना है कि जब उपाध्यक्ष के वार्ड में ही यह हाल है तो अन्य वार्डों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

पेवर ब्लॉक सड़क की मांग

सूजीत, बब्लू, नवीन, हंसमुख और चंदन सहित अन्य रहवासियों ने गली में पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण की मांग की है। उनका कहना है कि बरसात में सड़क कीचड़ और पानी से भर जाती है, जिससे

पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। पेवर ब्लॉक लगने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

तत्काल कार्रवाई की मांग

वार्डवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि बरसात को देखते हुए तत्काल नालियों की सफाई कराई जाए, टूटे चेंबरों की मरम्मत की जाए और गली में पेवर ब्लॉक सड़क का निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो समस्या और गंभीर हो जाएगी। नगर पालिका उपाध्यक्ष के वार्ड से सामने आई यह तस्वीर शहर की सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों की हकीकत उजागर कर रही है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि लोगों की इस गंभीर समस्या पर कब तक ध्यान देते हैं।

---

12 वर्षों तक वेतन से कटता रहा किराया पर महिला

कर्मचारी को नहीं मिला अपना ही क्वार्टर

अशिक्षा का फायदा उठाने का आरोप, एसईसीएल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत रीजनल वर्कशॉप में कार्यरत एक महिला कर्मचारी के साथ हुई कथित प्रशासनिक लापरवाही का मामला अब चर्चा का विषय बन गया है। बुढ़ार निवासी पुनियाबाई, पति स्वर्गीय सीताराम (टोकन क्रमांक 337) पिछले कई वर्षों से रीजनल वर्कशॉप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। प्रतिदिन बुढ़ार से धनपुरी आना-जाना उनके लिए कठिन साबित हो रहा था, इसलिए उन्होंने नियमानुसार बुढ़ार ग्रुप में क्वार्टर आवंटन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था।

महिला का आरोप है कि आवेदन के बाद उसके नाम पर क्वार्टर तो आवंटित कर दिया गया, लेकिन उसे इसकी जानकारी कभी नहीं दी गई। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि करीब 12 वर्षों तक उसके वेतन से प्रति माह लगभग 750 रुपये क्वार्टर किराए के रूप में कटते रहे, लेकिन उसे यह नहीं बताया गया कि जिस आवास का किराया काटा जा रहा है, वह उसके नाम पर आवंटित है।

12 साल बाद खुला राज

जानकारी के अनुसार हाल ही में जब बुढ़ार कॉलोनी में एक पुराने क्वार्टर को तोड़कर नए निर्माण का कार्य शुरू हुआ तो आसपास के रहवासियों ने इसकी शिकायत की। इसी दौरान पुनियाबाई को पता चला कि संबंधित क्वार्टर उसके नाम पर आवंटित है। जब उसने विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली तो रिकॉर्ड में क्वार्टर उसके नाम से आवंटित पाया गया।

महिला का कहना है कि यह जानकारी उसके लिए किसी झटके से कम नहीं थी। वह वर्षों से अपने अधिकार से अनजान रही और दूसरी ओर उसके

नाम पर आवंटित आवास में अन्य लोग निवास करते रहे।

अवैध कब्जे का आरोप, कार्रवाई सिर्फ नोटिस तक सीमित

बताया जाता है कि जिस क्वार्टर पर पुनियाबाई अपना अधिकार जता रही हैं, उसमें वर्षों से दूसरी महिला का कब्जा था। मामले की शिकायत होने के बाद प्रबंधन द्वारा केवल नोटिस चस्पा कर औपचारिक कार्रवाई की गई, लेकिन आज तक महिला कर्मचारी को उसका वास्तविक अधिकार नहीं मिल सका।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि रिकॉर्ड में क्वार्टर पुनियाबाई के नाम दर्ज है तो फिर वर्षों तक उसमें अन्य व्यक्ति कैसे निवास करता रहा? क्या संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी, या फिर जानबूझकर अनदेखी की गई?

श्रमिक संगठन भी नहीं बने सहारा

सबसे दुखद पहलू यह है कि एक अशिक्षित महिला कर्मचारी की समस्या को लेकर अब तक कोई भी श्रमिक संगठन प्रभावी रूप से सामने नहीं आया है। पुनियाबाई का कहना है कि वह कई बार अपनी समस्या लेकर विभिन्न कार्यालयों और जिम्मेदार लोगों के पास पहुंची, लेकिन हर बार आश्वासन और कागजी प्रक्रियाओं के बीच उसकी समस्या उलझकर रह गई।

कई सवालों के घेरे में प्रबंधन

यह मामला केवल एक क्वार्टर विवाद नहीं, बल्कि विभागीय जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। आखिर—

यदि क्वार्टर आवंटित हुआ था तो कर्मचारी को इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई? 12 वर्षों तक वेतन से किराया कटने के बावजूद किसी अधिकारी ने स्थिति की समीक्षा क्यों नहीं की?

अवैध कब्जाधारी के विरुद्ध समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई? एक महिला कर्मचारी को उसके वैधानिक अधिकार से वंचित रखने के लिए जिम्मेदार कौन है?

न्याय की प्रतीक्षा में पुनियाबाई

आज पुनियाबाई अपने ही नाम से आवंटित आवास के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। अशिक्षा और जागरूकता के अभाव का लाभ उठाकर यदि किसी कर्मचारी को वर्षों तक उसके अधिकार से दूर रखा गया है, तो यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही बल्कि मानवीय संवेदनाओं पर भी प्रश्न खड़ा करता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि एसईसीएल प्रबंधन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए, जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट करे और पीड़ित महिला कर्मचारी को उसका वैधानिक अधिकार दिलाने के साथ-साथ वर्षों से कटे किराए और प्रशासनिक चूक की भी जवाबदेही तय करे।

गायत्री शक्ति जयंती महोत्सव महापर्व धूमधाम से मनाया

गायत्री शक्ति की जयंती बड़े धूम-धाम महोत्सव 24 जून 2026 दिन बुधवार को गंगा दशहरा के दिन मनाया गया। साथ मुख्य पुजारी लोगों के भोग लगाकर लोगों का प्रसाद देते हुए पांच 5 कुण्डीय यज्ञ लगभग 3 से 4 पारी,पाली हवन व पूर्णाहुति किया नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों आज गायत्री शक्तिपीठ में गंगा दशहरा के गायत्री शक्ति जयंती महोत्सव महापर्व बड़े धूम-धाम से मनाया साथ ही गायत्री शक्तिपीठ में गायत्री परिवार व पुजारी जी ने भीड़ को सम्हाल कर रखा था ।जो कल हुआ कार्यक्रम 23 जून 2026 दिन मंगलवार को विशाल ज्योति कलश यात्रा व शोभायात्रा बड़े धूम-धाम निकाली गई साथ नगर भ्रमण किया गया।

ब्योहारी। ब्योहारी में गायत्री परिवार ट्रस्ट के द्वारा बुधवार को गायत्री शक्ति जयंती महोत्सव महापर्व शक्तिपीठ में मनाया गया 23 जून दिन मंगलवार को विशाल ज्योति कलश यात्रा व शोभायात्रा निकाली गई गायत्री शक्तिपीठ से प्रारंभ होगी शाम 4 बजे वाया चुंगीनाका दुर्गा मंदिर , हनुमान मंदिर पुरानी मजिस्ट्रेटी बस स्टैंड दुर्गा मंदिर (मढुलिन) लक्ष्मीनारायण मंदिर राम मंदिर राधा कृष्ण मंदिर से होते हुए गायत्री मंदिर में जाकर कलश यात्रा होगी कलश यात्रा माताओं बहनों व तरूण साथियों कम से कम 400 से 500 लोगों के लगभग सम्मिलित हो कर गायत्री माता, गुरूजी,माता जी, कि जय लगातें हुए पुष्य का भागीदार बनें। गायत्री जयंती के उपलक्ष्य में आज विभिन्न कार्यक्रम किया गया 1 - जय साधना सुबह 6 बजे से 8 तक माताओं बहनों व तरूण साथियों 1 - 1 मानसिक साधना किया गया। 2 - सुबह 8 बजें से 5 पांच कुण्डीय गायत्री यज्ञ - पुष्कर संस्कार व विद्या संस्कार हुआ सुबह 7 बजे । 3 - महादीप यज्ञ - शाम 6 . 30 बजें प्रारम्भ हुआ रात्रि 8 बजे तक। 4 - महाप्रसाद वितरण - सुबह 10 बजे चालू किया गया और रात 10 बजे तक फल, पुड़ी, हलवा वितरण चला। आपको बता दें छत्तीसगढ़ के महासमुंद से आने विद्वानों की टीम के द्वारा गायत्री शक्ति जयंती महोत्सव महापर्व पर विधिवत उनके मार्गदर्शक से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश

उमरिया। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कलेक्टर राखी सहाय व पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी के मार्गदर्शन पर पाली पुलिस एसडीओपी शिवचरण बोहित व थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा की उपस्थिति में पाली थाना चौराहे पर नशा मुक्ति जागरूकता नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक और गीत-संगीत के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा रहा है। मंगलवार को कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय के जरिए लोगों को संदेश दिया कि नशा व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। नुक्कड़ नाटक में दिखाया जा रहा है कि नशे की लत कैसे व्यक्ति के स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन को प्रभावित करती है।कलाकारों ने लोगों से अपील की कि वे नशे की आदत छोड़कर स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। अभियान के दौरान कलाकारों द्वारा विभिन्न स्लोगनों के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इनमें प्रमुख रूप से नशे का जो हुआ शिकार, उजड़ा उसका घर-परिवार तथा नशे को ना, जीवन को हां जैसे संदेश शामिल हैं।पुलिस एसडीओपी शिवचरण बोहित व थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा नेकहा कि नशे की लत केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। हम लोगों को अपने युवा शक्ति को बचाने के लिए खेलों के प्रति और रुचि बढ़ानी होगी, ताकि युवाओं को एक दिशा प्रदान कर सकें। नुक्कड़ नाटक का कुशल संचालन हिमांशु तिवारी के द्वारा किया गया।जन जागरूकता अभियान में सहायक उपनिरीक्षक रामस्वरूप संत, प्रधान आरक्षक अजय सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक महेश मिश्रा, कलाकार हिमांशु तिवारी, अभिनव द्विवेदी, राहुल सिंह,नेहा सिंह,दीप्ती सिंह,श्रद्धा सिंह,भक्ति सिंह,रुद्र प्रधान,शुभम पटेल,अतिव्य रजक,यशोदा कोल,चारवी तिवारी,दिशा पाठक,मानवी सिंह,सानिया सिंह,पूर्वी तिवारी,खुशी कोल,सत्यम सेन,श्रीराम तिवारी अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति देकर लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। शहर वासियों ने भी कलाकारों के प्रयासों की सराहना करते हुए नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

कर्मचारियों की वेतन संबंधी समस्याओं का हुआ निराकरण

रेलवे मजदूर कांग्रेस और रेल प्रशासन की 'नान पेमेंट मीटिंग' संपन्न,

शहडोल। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस (बिलासपुर मंडल) की इस वर्ष की द्वितीय 'नान पेमेंट मीटिंग' 23 जून को कार्मिक विभाग बिलासपुर के बैठक हॉल में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (बिलासपुर) डॉ,अंशुमन मिश्रा के निर्देशन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता मंडल कार्मिक अधिकारी यू. एस. राव ने की। बैठक की पूरी व्यवस्था पीएनएम सेल के कार्यालय अधीक्षक रमना मूर्ति द्वारा संभाली गई।बैठक में रेल प्रशासन की ओर से सहायक कार्मिक अधिकारी भास्कर गुहा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सुमित्रा पाल और कार्मिक विभाग से संबंधित बिल क्लर्क मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मजदूर कांग्रेस ने पुरजोर तरीके से उठाया एजेंडा

रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने रेल कर्मचारियों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। इस

प्रतिनिधिमंडल में निम्नलिखित पदाधिकारी शामिल थे:लक्ष्मण राव (जोनल कार्यकारी अध्यक्ष),शुभम उपाध्याय (अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री),राना नंदी (डीओबी शाखा सचिव),इरफान खान (सहायक सचिव रनिंग प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व लिखित एजेंडे के आधार पर बिलासपुर मंडल के रेल कर्मचारियों के वेतन और भत्तों से जुड़ी विभिन्न जटिल समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और उनका निराकरण करवाया।

बैठक में इन प्रमुख मामलों पर हुआ फैसला और समाधान

बैठक के दौरान कर्मचारियों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिसमें:गेट अलाउंस जारी: ब्रजराजनगर के जितेंद्र कुमार और बैकुंठपुर के अरविंद कुमार का गेट अलाउंस (Gate Allowance) जारी करने का आदेश रेल प्रशासन द्वारा दिया गया।रिस्क अलाउंस की स्वीकृति: रायगढ़ के जुगताराम यादव को उनका बकाया रिस्क अलाउंस (Risk Allowance) दिए जाने पर सहमति बनी।ओवर पेमेंट व लीव एनकैशमेंट पर चर्चा: विश्रामपुर के हियाहरन सिंह के ओवर पेमेंट मामले तथा उमरिया के अतुल कुमार गुप्ता के अवकाश नगरीकरण (Leave Encashment) केस पर गंभीरता से चर्चा कर समाधान का रास्ता निकाला गया।ट्रैक मेंटेनर्स को मिलेगा ओटी: अकलतरा के ट्रैक मेंटेनर्स को ओवर टाइम (OT) दिए जाने के संबंध में सकारात्मक निर्णय लिया गया।स्थानीय रेल कर्मियों की समस्याएं: इसके साथ ही अनूपपुर के रेल कर्मचारी आयुष, रविकांत राय, रंजीत कुमार, अमित कुमार और राजेंद्र राठौर की वेतन संबंधी समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा कर प्रशासनिक अधिकारियों को उचित निर्देश दिए गए।संगठन का संकल्प: बैठक के अंत में मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन हर एक रेल कर्मचारी के हक की लड़ाई पूरी ईमानदारी से लड़ता रहेगा और उनके वित्तीय व सेवा संबंधी हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

आजतक नहीं बदली टेऊनापानी गांव की तस्वीर...

आज़ादी के 79 साल बाद भी प्यासा पुष्पराजगढ़ का टेऊनापानी गांव

सड़क नहीं, शुद्ध पानी नहीं, विकास के दावों पर गांव को करारा तमाचा, बुनियादी सुविधाओं के अभाव में युवाओं की नहीं हो रही शादी

कलेक्टर जनसुनवाई से कमिश्नर दरबार तक ग्रामीणों के लगाई थी गुहार

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड की पड़रीखार पंचायत का टेऊनापानी गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। पंचायत के वार्ड क्रमांक 13 में लगभग 250 लोगों की आबादी निवास करती है, लेकिन यहां न पीने के लिए शुद्ध पानी है और न ही गांव तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क है जो सड़क गांव तक जाती है वह भी बरसाती नाले में बदल जाती है। आज भी बीमारों को कंधों पर ढोकर 4 किलोमीटर मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है, जबकि महिलाएं बच्चे बुर्जुग सभी जंगल की बरसाती नाले में झिरिया खोदकर पानी लाने को मजबूर हैं। विकास के तमाम दावों के बीच यह गांव शासन प्रशासन से अब जवाब मांग रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

एक ओर देश विकसित भारत की ओर बढ़ने के दावे कर रहा है। गांव-गांव तक सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए अरबों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन अनूपपुर जिले का टेऊनापानी गांव इन दावों की जमीनी हकीकत को आईना दिखाते हुए नजर आता है। पड़रीखार पंचायत का यह वार्ड क्रमांक 13 आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीवन जीने को मजबूर है। ग्रामीणों ने कई बार अनूपपुर कलेक्टर की जनसुनवाई में अपनी समस्याएं रखीं है, शहडोल संभाग के कमिश्नर तक गुहार लगाई है, लेकिन समाधान की जगह उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है कि काम जल्द ही हो जाएगा...। गांव में पक्की सड़क तक नहीं है, स्वच्छ पेयजल नहीं, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच नहीं और बच्चों के लिए पर्याप्त शैक्षणिक एवं पोषण सुविधाएं भी नहीं हैं। बरसात के दिनों में हालात और भयावह हो जाते हैं। ऐसा लगता है मानो विकास की रोशनी गांव की सीमा तक पहुंचते-पहुंचते कहीं खो गई हो और टेऊनापानी आज भी सरकारी योजनाओं के इंतजार में खड़ा होकर विकास की प्रतीक्षा कर रहा है। टेऊनापानी की कहानी केवल एक गांव की कहानी नहीं है, बल्कि उन सैकड़ों गांवों की हकीकत है जो आज भी विकास की मुख्यधारा से दूर हैं। जब एक पूरे वार्ड की 250 आबादी को पीने का पानी जंगल की झिरिया से लाना पड़े, मरीजों को कंधों पर ढोना पड़े, बच्चों को शिक्षा और पोषण से वंचित रहना पड़े और युवाओं के विवाह तक प्रभावित होने लगें, तब यह केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं रह जाती, बल्कि व्यवस्था की संवेदनशीलता पर बड़ा सवाल बन जाती है। टेऊनापानी आज सरकार से कोई विशेष सुविधा नहीं मांग रहा, बल्कि अपने हिस्से का वह अधिकार मांग रहा है जो हर नागरिक को मिलना चाहिए। अब देखना यह है कि जिम्मेदारों का जमीर कब जागता है और इस गांव की तस्वीर बदलने के लिए ठोस कदम कब उठाए जाते हैं।

प्यास बुझाने दो किलोमीटर दूर जंगल की झिरिया बना सहारा

यह शासन प्रशासन के लिए बड़े शर्म की बात है कि टेऊनापानी गांव में स्वच्छ पेयजल की कोई स्थायी उचित व्यवस्था नहीं है। गांव के पुराने कुएं का पानी गंदा रहता है नए कुओं ने पानी नहीं रहता है और अब पुराने कुआं भी धीरे-धीरे जर्जर होकर टूटने की स्थिति में पहुंच गया है। ग्रामीणों का कहना है कि दूषित पानी पीने से लोग बीमार पड़ते रहते हैं। लेकिन कोई देखने वाला नहीं है मजबूरी में गांव के लोग जंगल में बरसाती नाले के किनारे बनाई गई झिरिया से पानी लाते हैं। जो बरसात के दिनों में पांडे हो जाए है ये ग्रामीण लगभग दो किलोमीटर का सफर तय कर पीने के पानी का इंतजाम करते हैं। बरसात के दिनों फिर ये छत से गिरता हुआ पानी या फिर गड्ढों का पानी पीना को मजबूर हो जाते है शासन प्रशासन द्वारा जिस दौर में हर घर नल और जल जीवन मिशन की सफलता के दावे किए जा रहे हैं, वहां टेऊनापानी के लोग आज भी बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन कोई भी इन ग्रामीणों की सुध लेने वाला नहीं है।

एंबुलेंस से नहीं कंधों पर ढोए जाते हैं मरीज

गांव तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं है। कच्चे और दुर्गम रास्ते बरसात के दिनों में और अधिक खतरनाक हो जाते हैं। ऐसे में एंबुलेंस गांव तक पहुंच ही नहीं पाती है। जब कोई गंभीर रूप से बीमार पड़ता है तो परिजनों को कंधों के सहारे मरीज को मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। ग्रामीण बताते हैं कि कई गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा के दौरान अस्पताल पहुंचाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और कुछ मामलों में रास्ते में ही प्रसव होने की नौबत आ गई है और कई लोगों की जान भी जा चुकी है। स्वास्थ्य सुविधाओं से दूरी यहां के लोगों के लिए हर दिन एक नई चुनौती बनकर खड़ी रहती है। अब इस गांव के ग्रामीण भगवान भरोसे ही जिंदगी जीने मिल मजबूर है।

सड़क और पानी के अभाव में युवाओं की नहीं हो रही शादी

गांव की बदहाल स्थिति का असर अब सामाजिक जीवन पर भी साफ दिखाई देने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सड़क और स्वच्छ पानी की सुविधा नहीं होने के कारण रिश्ते लेकर आने वाले परिवार अपनी बेटियों का विवाह यहां करने से इंकार कर देते हैं। नतीजा यह है कि गांव के लगभग 50 युवक विवाह योग्य आयु पार कर चुके हैं लेकिन उनकी शादी नहीं हो पा रही है। विकास की कमी अब केवल सुविधाओं का संकट नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक और मानसिक पीड़ा का कारण भी बन चुकी है। युवाओं के सपने अधूरे रह रहे हैं और वे खुद को व्यवस्था से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

शिक्षा, पोषण और आंगनबाड़ी सुविधाएं भी सवालों के घेरे में

गांव में एक खंडहरनुमा सरकारी प्राथमिक विद्यालय संचालित है, जहां पांचवीं तक की कक्षाएं लगती हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक नियमित रूप से नहीं आते है, जिससे बच्चों की पढ़ाई शून्य के बराबर है दूसरी ओर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। इसके कारण महिलाओं और बच्चों को शासन की कई महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता और आशा इस गांव की महिलाओं को 4 किलोमीटर दूर बुलाती है ग्रामीणों के अनुसार गांव के कई बच्चे कुपोषण का सामना कर रहे हैं। पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच और प्रारंभिक शिक्षा जैसी सुविधाओं का अभाव गांव के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। सवाल यह है कि जब बच्चों तक योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचेगा तो विकास का सपना आखिरकार कैसे साकार होगा?

250 लोगों की जिंदगी भगवान भरोसे

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि टेऊनापानी कोई छोटी बस्ती नहीं, बल्कि पड़रीखार पंचायत का आधिकारिक वार्ड क्रमांक 13 है, जहां लगभग 250 लोग निवास करते हैं। इसके बावजूद वर्षों से यहां सड़क, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। लोकतंत्र में वार्ड स्तर तक विकास पहुंचाने की बात कही जाती है, लेकिन टेऊनापानी के लोगों को आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी अधिकारी भी शायद ही कभी गांव का दौरा करते है और जनप्रतिनिधियों के दर्शन सिर्फ चुनाव में समय ही होते है। इससे लोगों में उपेक्षा और निराशा की भावना लगातार बढ़ती जा रही है।

चुनाव में वादे, फिर पांच साल की खामोशी

ग्रामीणों की पीड़ा केवल सुविधाओं की कमी तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें इस बात का भी मलाल है कि उनकी समस्याएं सुनने वाला कोई नहीं है। उनका आरोप है कि चुनाव के समय नेता और जन प्रतिनिधि गांव में पहुंचते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही गांव को उसके हाल पर छोड़ दिया जाता है। कई बार शिकायतों और मांगों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीण पूछते हैं कि आखिर उनके हिस्से का विकास कब आएगा? क्या उन्हें केवल वोट देने तक ही सीमित समझ लिया गया है? यह सवाल आज पूरे गांव की जुबान पर है।

दीनदयाल चौक से नर्मदा मंदिर मार्ग तक सड़क किनारे खड़े वाहनों से यातायात बाधित

अमरकंटक के मुख्य मार्गों पर बेतरतीब पार्किंग से लग रहा जाम, हादसों का बढ़ा खतरा

बस और चारपहिया वाहन की टक्कर के बाद विवाद की स्थिति

स्थानीय लोग बोले- नो पार्किंग बोर्ड नहीं, न जुर्माना, न ही नियमित यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। तीर्थनगरी अमरकंटक के मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से वाहनों की पार्किंग अब गंभीर यातायात समस्या का रूप ले चुकी है। दीनदयाल चौक से होकर नर्मदा मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग सहित मुख्य बाजार क्षेत्र में आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। सड़कों के संकरे होने, होटल-लॉज-आश्रमों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सामने लगातार वाहनों के खड़े रहने तथा बड़े वाहनों की आवाजाही के कारण न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बुधवार को भी ऐसा ही मामला सामने आया, जब नर्मदा मंदिर की ओर जा रही एक बस सड़क किनारे खड़े चारपहिया वाहन से टकरा गई। टक्कर के बाद बस चालक और वाहन स्वामी के बीच कहासुनी और विवाद की स्थिति बन गई। बाद में स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर सड़क खाली कराई, तब जाकर यातायात सुचारु हो सका। इस घटना ने एक बार फिर अमरकंटक के मुख्य मार्गों पर अव्यवस्थित पार्किंग और कमजोर यातायात प्रबंधन की समस्या को उजागर कर दिया है।

मुख्य बाजार और मंदिर मार्ग सबसे अधिक प्रभावित

स्थानीय लोगों के अनुसार दीनदयाल चौक, मुख्य बाजार, नर्मदा मंदिर मार्ग और आसपास के व्यस्त रास्तों पर दिनभर सड़क किनारे वाहन खड़े रहते हैं। इनमें निजी कारें, यात्री वाहन, होटल-लॉज में ठहरे पर्यटकों के वाहन और स्थानीय व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सामने खड़ी गाड़ियां शामिल हैं। कई स्थानों पर सड़क इतनी संकरी है कि यदि एक ओर वाहन खड़े हों और सामने से बस, ट्रक या अन्य बड़ा वाहन आ जाए तो तत्काल जाम की स्थिति बन जाती है। लोगों का कहना है कि तीर्थस्थल होने के कारण अमरकंटक में हर दिन बाहर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था को लेकर न तो स्थायी योजना बनाई गई है और न ही पार्किंग नियंत्रण की ठोस व्यवस्था लागू की गई है।

बस-कार टक्कर के बाद बढ़ा आक्रोश

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक नर्मदा मंदिर की ओर से आ रही बस संकरे मार्ग से गुजर रही थी। सड़क के किनारे पहले से एक चारपहिया वाहन खड़ा था। इसी दौरान बस का वाहन से संपर्क हो गया और टक्कर की स्थिति बन गई। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ने लगा। कुछ देर तक सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने समझाइश देकर मामला शांत कराया और सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क खाली नहीं कराई जाती, तो विवाद और बढ़ सकता था। साथ ही पीछे से आ रहे अन्य वाहनों के कारण जाम और गंभीर हो जाता।

शिकायतें होती रहीं, पर जिम्मेदारी तय नहीं

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मुख्य मार्गों पर जाम और अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या को लेकर कई बार पुलिस प्रशासन और नगर पंचायत से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। लोगों का कहना है कि कार्रवाई के नाम पर जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाली जाती है। पुलिस प्रशासन यातायात व्यवस्था को नगर पंचायत का विषय बताता है, जबकि नगर पंचायत निगरानी और नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस पर डाल देती है। इसका खामियाजा आम लोगों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है।

नो पार्किंग बोर्ड नहीं, इसलिए मनमानी पार्किंग

शहर के प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले हिस्सों में कई स्थानों पर अब तक स्पष्ट नो पार्किंग बोर्ड तक नहीं लगाए गए हैं। यही वजह है कि लोग सड़क किनारे मनमाने ढंग से वाहन खड़े कर देते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रमुख स्थलों पर नो पार्किंग क्षेत्र चिह्नित किए जाएं, बोर्ड लगाए जाएं और नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाया जाए, तो समस्या काफी हद तक नियंत्रित हो सकती है। लोगों का यह भी कहना है कि कई होटल, लॉज, आश्रम और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सामने लंबे समय तक वाहन खड़े रहते हैं, जिससे सड़क की उपयोगी चौड़ाई और कम हो जाती है। इससे बाजार क्षेत्र में पैदल चलने वालों को भी परेशानी होती है।

वीआईपी मूवमेंट में ही दिखती है यातायात व्यवस्था

स्थानीय नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि अमरकंटक में सामान्य दिनों में यातायात व्यवस्था लगभग भगवान भरोसे रहती है। केवल वीआईपी मूवमेंट या किसी विशेष कार्यक्रम के दौरान ही पुलिस सक्रिय नजर आती है। बाकी समय मुख्य चौक-चौराहों और बाजार क्षेत्र में यातायात नियंत्रण की कोई ठोस व्यवस्था दिखाई नहीं देती। इससे जाम की स्थिति बार-बार बनती है और छोटे-छोटे विवाद भी बढ़ने लगते हैं।

संकीर्ण मार्गों पर बड़े वाहनों की आवाजाही पर उठे सवाल

अमरकंटक के कई मुख्य मार्ग पहले से ही संकरे हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों ने मांग उठाई है कि भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र और मंदिर मार्गों पर बड़े वाहनों जैसे बस और ट्रक के प्रवेश को समयबद्ध या पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाए। उनका कहना है कि भारी वाहनों के प्रवेश के लिए वैकल्पिक मार्ग या निर्धारित समय तय किया जाना चाहिए, ताकि दिन के व्यस्त समय में जाम और दुर्घटना की आशंका कम हो।

स्थानीय लोगों की प्रमुख मांगें

अमरकंटक के नागरिकों और व्यापारियों ने प्रशासन से निम्न मांगें उठाई हैं दीनदयाल चौक से नर्मदा मंदिर मार्ग और मुख्य बाजार क्षेत्र में सख्त नो पार्किंग व्यवस्था लागू की जाए। सभी प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और बाजार क्षेत्र में नो पार्किंग बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। सड़क किनारे गलत तरीके से वाहन खड़े करने वालों पर तत्काल जुर्माना लगाया जाए। होटल, लॉज, आश्रम और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सामने होने वाली अनियमित पार्किंग पर विशेष निगरानी रखी जाए। संकरे और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर बस और ट्रक जैसे बड़े वाहनों के प्रवेश पर नियंत्रण किया जाए। बाजार और मंदिर मार्गों पर नियमित यातायात पुलिस की तैनाती की जाए। अमरकंटक में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए अलग पार्किंग स्थल विकसित किए जाएं।

व्यवस्था नहीं सुधरी तो बढ़ सकते हैं हादसे

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क किनारे पार्किंग और यातायात प्रबंधन की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अमरकंटक जैसे धार्मिक और पर्यटन महत्व वाले नगर में यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन को गंभीरता दिखानी होगी, ताकि श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को राहत मिल सके।

नगरीय निकाय के कर्मचारियों को उच्च न्यायालय से मिली राहत

स्थानांतरण आदेशों पर लगी रोक मिला स्थगन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नगर पालिका परिषद कोतमा जिला अनूपपुर के कर्मचारियों ईश्वर दास, मनीष कुमार गर्ग एवं सैयद अनवर हुसैन को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर से अंतरिम राहत प्राप्त हुई है। उच्च न्यायालय ने उनके विरुद्ध जारी स्थानांतरण आदेशों के क्रियान्वयन पर राहत प्रदान करते हुए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय ने न्यायालय के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया कि राज्य शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण नीति के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के स्थानांतरण का अधिकार राज्य शासन को है, इसके बावजूद संबंधित कर्मचारियों के स्थानांतरण आदेश सक्षम प्राधिकारी के स्थान पर अन्य अधिकारी द्वारा जारी किए गए, जो विधि एवं नीति के विपरीत हैं। ईश्वर दास और मनीष कुमार गर्ग के प्रकरण में उच्च न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मामले को विचारणीय पाते हुए स्थानांतरण आदेश पर आगामी सुनवाई तक रोक लगाई तथा शासन एवं अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं सैयद अनवर हुसैन के प्रकरण में अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय ने न्यायालय का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया कि स्थानांतरण नीति के पैरा 13 के अनुसार अनुसूचित क्षेत्रों में रिक्त पदों की पूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, याचिकाकर्ता वर्तमान में अनुसूचित क्षेत्र में पदस्थ हैं, फिर भी उनका स्थानांतरण कर दिया गया जबकि उनके स्थान पर किसी अन्य कर्मचारी की पदस्थापना नहीं की गयी है, यह स्थानांतरण नीति के प्रावधानों के विपरीत है। इस संबंध में शासन पक्ष द्वारा न्यायालय को आश्वस्त किया गया। उक्त आदेशों से नगर पालिका परिषद कोतमा के कर्मचारियों को राहत मिली है तथा यह निर्णय स्थानांतरण नीति, अनुसूचित क्षेत्रों में रिक्त पदों की पूर्ति तथा प्रशासनिक नियमों के पालन की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ग्राम पंचायत अमगवां में स्थायी निरंतर लोक अदालत एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के प्रधान जलिा एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल के आदेशानुसार ग्राम पंचायत अमगवां में स्थायी निरंतर लोक अदालत एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में ग्राम पंचायत अमगवां में स्थायी निरंतर लोक अदालत एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों को जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल के द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत की उपयोगिता, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं कमजोर वर्गों के अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में श्री पटेल ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से विवादों का त्वरित एवं सरल समाधान किया जा सकता है। साथ ही पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर आवश्यक विधिक परामर्श भी प्रदान किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित जनपद सदस्य चन्द्रप्रकाश जायसवाल, ग्राम पंचायत सरपंच गणेश सिंह, सचिव मनोज राठौर, रोजगार सहायककृष्ण लाल सिंह, ग्राम पंचायत के पंचगण व पैरा लीगल वालंटियर्स एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी नागरिकों से अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया गया।

राजेंद्रग्राम में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियां तेज

सांसद हिमाद्रि सिंह से मिला आयोजन समिति का प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम। जिले के राजेंद्रग्राम में आगामी 18 जुलाई को आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को रथयात्रा आयोजन समिति के सदस्यों ने क्षेत्र की सांसद हिमाद्रि सिंह से शिष्टाचार भेंट कर आयोजन की विस्तृत रूपरेखा से अवगत कराया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक सहयोग एवं जनसहभागिता पर चर्चा की। आयोजन समिति ने सांसद को बताया कि भगवान जगन्नाथ की पावन रथयात्रा का शुभारंभ 18 जुलाई को दोपहर 3 बजे गायत्री मंदिर, राजेंद्रग्राम से भगवान जगन्नाथ की मंगल आरती के साथ होगा।

इसके उपरांत श्रद्धालुओं द्वारा हरिनाम संकीर्तन, भक्ति-भाव से ओतप्रोत नृत्य एवं जयघोष के बीच रथयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी और दुर्गा मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न होगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर सांसद हिमाद्रि सिंह ने रथयात्रा में अपनी सहभागिता की सहमति प्रदान करते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना एवं सामाजिक समरसता का अनुपम प्रतीक है। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार सहित इस दिव्य आयोजन में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन करें, उनका आशीर्वाद प्राप्त करें तथा आध्यात्मिक पुण्य अर्जित करें।

बैठक में रथयात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करने के लिए व्यापक जनसहयोग और जनभागीदारी की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया। आयोजन समिति ने बताया कि रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकसूत्र में जोड़ने वाला सांस्कृतिक महोत्सव है। इस दौरान रथयात्रा प्रभारी प्रेमावतार दास, पवित्र कृष्ण दास, श्रीमती गीता टांडिया, एच. परस्ते, प्रिंस जायसवाल सहित अनेक श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने रथयात्रा के सफल आयोजन हेतु क्षेत्रवासियों से बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की। आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर हरिनाम संकीर्तन में सहभागी बनें, भगवान जगन्नाथ के दिव्य दर्शन एवं महाप्रसाद का लाभ प्राप्त करें तथा इस आध्यात्मिक महोत्सव को ऐतिहासिक सफलता प्रदान करें।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की द्वितीय नान पेमेंट मीटिंग सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। एकल मान्यता प्राप्त रेल संगठन साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस की इस वर्ष की द्वितीय नान पेमेंट मीटिंग 23 जून को कार्मिक विभाग बिलासपुर बैडक हाल में सम्पन्न हुई, यह बैठक वरीष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी बिलासपुर डां अंशुमन मिश्रा के निर्देश के तहत मंडल कार्मिक अधिकारी बिलासपुर युएस राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, बैठक में सहायक कार्मिक अधिकारी बिलासपुर भास्कर गुहा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सुमित्रा पाल, कार्मिक विभाग सम्बंधित बिल कर्लक मौजूद रहे, बैठक व्यवस्था पीएनएम सेल के कार्यालय अधीक्षक रमना मूर्ति ने किया। रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री शुभम उपाध्याय, डीओबी शाखा सचिव राना नंदी, सहायक सचिव रनिंग इरफान खान ने बिलासपुर मंडल के रेल कर्मचारियों के वेतन संबन्धित समस्याओं पूर्व लिखित ऐजेंडा पर चर्चा कर रेल कर्मचारी की समस्यायों का निराकरण किया। ब्रजराजनगर जितेन्द्र कुमार, बैकुंठपुर अरविंद कुमार के गेट एलाउंस जारी करने का आदेश हुआ, विश्रामपुर के हियाहरन सिंह के ओवर पेमेंट पर चर्चा, रायगढ़ के जुगताराम यादव का रिस्क एलाउंस मिलेगा, अनूपपुर के आयुष, रविकांत राय, रंजीत कुमार, अमित कुमार, राजेन्द्र राठौर के समस्याओं पर चर्चा हुई, अकलतरा के ट्रैक मेंटेनर को ओटी दिए जाने, उमरिया के अतुल कुमार गुप्ता अवकाश नगरीकरण केश पर चर्चा हुई।